

27 फरवरी 2024 : समाचार विश्लेषण

A. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 1 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

B. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध:

- केंद्र, यूरोपीय संघ, अमेरिकी प्रतिबंध सूची में भारतीय तकनीकी फर्म की 'जांच' कर रहा है:

शासन:

- महिलाओं को स्थायी कमीशन दें: सर्वोच्च न्यायालय ने तटरक्षक बल से कहा

C. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी:

- मोदी इसरो की तीन सुविधाओं का उद्घाटन करेंगे:

D. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 4 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

E. संपादकीय:

पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण:

1. एक विस्तृत भूमि प्रबंधन नीति अतिदेय है:

F. प्रीलिम्स तथ्य:

1. बिटकॉइन हॉल्विंग क्या है और क्रिए समूह के लिए इसका क्या मतलब है?
2. गर्भकालीन आयु का पता लगाने के लिए भारत-विशेष AI मॉडल विकसित किया गया:

G. महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

H. UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

I. UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

केंद्र, यूरोपीय संघ, अमेरिकी प्रतिबंध सूची में भारतीय तकनीकी फर्म की 'जांच' कर रहा है:

अंतर्राष्ट्रीय संबंध:

विषय: भारत के हितों पर, भारतीय परिदृश्य पर विकसित और विकासशील देशों की नीतियां और राजनीति का प्रभाव।

मुख्य परीक्षा: पश्चिम द्वारा भारतीय कंपनियों पर प्रतिबंध तथा व्यापार और रणनीतिक स्वायत्ता पर इसका प्रभाव।

प्रसंग:

- वर्ष 1993 में स्थापित, बैंगलुरु स्थित Si2 माइक्रोसिस्टम्स सेमीकंडक्टर अनुसंधान में शामिल है।
- यह हाल के "आत्मनिर्भर भारत" सहयोग में इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) का भागीदार रहा है।
- Si2 माइक्रोसिस्टम्स को यूरोपीय संघ और संयुक्त राज्य अमेरिका दोनों से प्रतिबंधों का सामना करना पड़ा है।

प्रतिबंध और कानूनी मुद्दे:

- यूरोपीय संघ ने रूस के साथ लेनदेन के लिए Si2 माइक्रोसिस्टम्स पर प्रतिबंध लगाए हैं।
- कंपनी को अमेरिका द्वारा "दोहरे उपयोग" तकनीक को स्थानांतरित करने से भी प्रतिबंधित कर दिया गया है।
- ऋण छूक के कारण Si2 माइक्रोसिस्टम के निदेशकों को भारतीय अधिकारियों द्वारा लुकआउट सर्कुलर नोटिस के अधीन किया गया है।

सरकारी भागीदारी और प्रतिक्रिया:

- Si2 माइक्रोसिस्टम्स सेमीकंडक्टर अनुसंधान परियोजनाओं के लिए एक उद्योग भागीदार है, जिसमें भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-मद्रास भी शामिल है।

- विदेश मंत्रालय ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया, लेकिन सभी संबंधित मंत्रालय स्थिति से अवगत हैं।
- भारत सरकार यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों की जांच कर रही है और इस बात पर विचार कर रही है कि फैसले का विरोध किया जाए या नहीं, इस बात पर जोर देते हुए कि भारत एकतरफा प्रतिबंधों को मान्यता नहीं देता है।

परियोजना प्रभाव और समीक्षा:

- प्रतिबंधों के आलोक में आईआईटी-मद्रास द्वारा Si2 माइक्रोसिस्टम्स के साथ परियोजना साझेदारी की समीक्षा की जा रही है।
- परियोजना में कंपनी की भागीदारी यूरोपीय संघ और अमेरिकी प्रतिबंधों से प्रभावित हो सकती है।

कंपनी प्रोफाइल और प्रतिक्रिया:

- Si2 माइक्रोसिस्टम्स खुद को भारतीय सशस्त्र बलों और सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के लिए "पसंदीदा समाधान प्रदाता" के रूप में वर्णित करता है।
- कंपनी और उसके वकीलों तक पहुंचने के प्रयासों के बावजूद, यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों या अन्य कानूनी मामलों के संबंध में कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

सारांश:

- बैंगलुरु स्थित सेमीकंडक्टर अनुसंधान फर्म Si2 माइक्रोसिस्टम्स को रूस के साथ लेनदेन के लिए यूरोपीय संघ और अमेरिकी प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा है। भारत सरकार के साथ साझेदारी के बावजूद, इसके निदेशकों के पास कानूनी मुद्दे हैं, जिससे प्रमुख परियोजनाओं में इसकी भागीदारी पर चिंताएं पैदा हो रही हैं।

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

महिलाओं को स्थायी कमीशन दें: सर्वोच्च न्यायालय ने तटरक्षक बल से कहा

रासन:

विषय: कमज़ोर वर्गों की सुरक्षा और बेहतरी के लिए गठित तंत्र, कानून, संस्थाएं और निकाय।

मुख्य परीक्षा: कमज़ोर वर्ग से संबंधित मुद्दे।

विवरण:

- एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने भारतीय तटरक्षक बल से महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन का अनुदान सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।
- यह कदम सशस्त्र बलों के भीतर लैंगिक समानता और समावेशिता के प्रति अदालत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

समावेशन के लिए न्यायिक निर्देश:

- भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. तीन जजों की बैंच का नेतृत्व कर रहे चंद्रचूड़ ने सशस्त्र बलों में महिलाओं को शामिल करने की अनिवार्यता पर जोर दिया है।
- अटॉर्नी-जनरल आर. वेंकटरमणी को संबोधित करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि महिलाओं को ऐसे अवसरों से बाहर नहीं रखा जा सकता है।

चुनौतियाँ और विचार:

- सुनवाई के दौरान, अटॉर्नी-जनरल ने शॉर्ट सर्विस कमीशन अधिकारियों को स्थायी कमीशन प्रदान करने में परिचालन चुनौतियों पर प्रकाश डाला।
- इन चुनौतियों के बावजूद, अदालत अपने रुख पर कायम रही और महिला अधिकारियों के साथ निष्पक्ष और न्यायसंगत व्यवहार करने वाली नीतियों की वकालत की।
- सर्वोच्च न्यायालय ने समानता और गैर-भेदभाव के सिद्धांतों के साथ जुड़ी प्रगतिशील नीतियों की आवश्यकता पर बल देते हुए सशस्त्र बलों के भीतर किसी भी पितृसत्तात्मक दृष्टिकोण पर सवाल उठाया।

- इसने महिलाओं की समान स्थिति और क्षमताओं की पुष्टि करते हुए लिंग आधारित कोटा प्रणाली की धारणा को चुनौती दी।

निष्कर्ष:

- सर्वोच्च न्यायालय का हस्तक्षेप सशस्त्र बलों में लैंगिक समानता हासिल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। महिला अधिकारियों के अधिकारों की वकालत करके, अदालत संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखने और सभी के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है।

सारांश:

- सर्वोच्च न्यायालय ने सशस्त्र बलों में समानता और समावेशिता पर जोर देते हुए भारतीय तटरक्षक बल से महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन देने का आग्रह किया। यह निर्देश पारंपरिक रूप से पुरुष-प्रधान क्षेत्रों में लैंगिक सशक्तिकरण और प्रगतिशील नीतियों के लिए व्यापक प्रयास को दर्शाता है।

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

मोदी इसरो की तीन सुविधाओं का उद्घाटन करेंगे:

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी:

विषय: अंतरिक्ष के क्षेत्र में जागरूकता; प्रौद्योगिकी का स्वदेशीकरण और नई प्रौद्योगिकी का विकास।

प्रारंभिक परीक्षा: ट्राइसोनिक विंड टनल, पीएसएलवी एकोकरण सुविधाएं, सेमी-क्रायोजेनिक इंटीग्रेटेड इंजन और स्टेज टेस्ट सुविधा से सम्बन्धित जानकारी।

विवरण:

- प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की तीन सुविधाओं का उद्घाटन करने और गगनयान मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा करने के लिए विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र का दौरा करेंगे।

- पीएम की यात्रा के दौरान उम्मीद है कि पीएम मोदी गगनयान कार्यक्रम के लिए अंतरिक्ष यात्रियों के नामों की घोषणा करेंगे और उन्हें मिशन पैच प्रदान करेंगे।
- गगनयान कार्यक्रम का लक्ष्य वर्ष 2025 के लक्षित प्रक्षेपण वर्ष के साथ अंतरिक्ष यात्रियों को कक्षा में भेजकर और उन्हें सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस लाकर मानव अंतरिक्ष उड़ान में भारत की क्षमता का प्रदर्शन करना है।

इसरो सुविधाओं का समर्पण:

- **पीएम मोदी तीन प्रमुख सुविधाएं समर्पित करेंगे:**
 - वीएसएससी (विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र) में ट्राइसोनिक पवन सुरंग।
 - सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, श्रीहरिकोटा में ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) के लिए एकीकरण सुविधाएं।
 - तमिलनाडु के महेंद्रगिरि में इसरो प्रोपल्शन कॉम्प्लेक्स में सेमी-क्रायोजेनिक इंटीग्रेटेड इंजन और स्टेज टेस्ट सुविधा (एसआईईटी)।
 - ₹ 1,800 करोड़ की लागत से विकसित ये सुविधाएं भारत की अंतरिक्ष क्षमताओं में महत्वपूर्ण प्रगति का संकेत देती हैं।
- **ट्राइसोनिक पवन सुरंग:**
 - 170 मीटर की कुल लंबाई और 1.2 मीटर के परीक्षण खंड आकार के साथ ट्राइसोनिक पवन सुरंग, रॉकेट और विमान मॉडल की वायुगतिकीय विशेषताओं के मूल्यांकन की सुविधा प्रदान करती है।
 - यह इष्टम डिज़ाइन विकास का विश्लेषण करने के लिए एक नियंत्रित समान वायु प्रवाह प्रदान करता है, जो 0.2 से 4 की मैक संख्या सीमा के भीतर संचालित होता है, जो सबसोनिक से सुपरसोनिक गति को कवर करता है।

- यह सुरंग भविष्य के लॉन्च वाहन परियोजनाओं को डिजाइन करने में भारत की आत्मनिर्भरता को बढ़ाती है।
- **पीएसएलवी एकीकरण सुविधाएं (पीआईएफ):**
 - श्रीहरिकोटा में नव उद्घाटन पीएसएलवी एकीकरण सुविधाएं इसरो को पीएसएलवी मिशनों की संख्या प्रति वर्ष 15 तक बढ़ाने में सक्षम बनाती हैं।
 - ये सुविधाएं लॉन्च पैड नवीनीकरण के साथ पीएसएलवी रॉकेट के समानांतर एकीकरण, लॉन्च प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने और मिशन दक्षता बढ़ाने की अनुमति देती हैं।

सेमी-क्रायोजेनिक इंटीग्रेटेड इंजन और स्टेज टेस्ट सुविधा (एसआईईटी):

- महेंद्रगिरि में इसरो प्रोपल्शन कॉम्प्लेक्स में स्थित SIET, SCE-2000 सेमी-क्रायोजेनिक इंजन के लिए परीक्षण क्षमताएं प्रदान करता है।
- यह सुविधा इसरो की प्रणोदन क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो भारत के अंतरिक्ष अन्वेषण प्रयासों को आगे बढ़ाने में योगदान देती है।

सारांश:

- प्रधानमंत्री मोदी ने इसरो की तीन सुविधाओं का उद्घाटन किया और गगनयान की प्रगति की समीक्षा की। इन सुविधाओं में ट्राइसोनिक विंड टनल, पीएसएलवी एकीकरण सुविधाएं और एसआईईटी शामिल हैं। ये प्रगति अंतरिक्ष अन्वेषण और आत्मनिर्भरता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

संपादकीय-द हिन्दू

संपादकीय:

एक विस्तृत भूमि प्रबंधन नीति अंतिदेय है:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण:

विषय: पर्यावरण प्रदूषण और क्षरण।

मुख्य परीक्षा: भारत में भूमि क्षरण को उलटना।

विवरण:

- पारिस्थितिक, आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक कल्याण के लिए भूमि प्रबंधन महत्वपूर्ण है।
- भूमि की बहुआयामी प्रकृति की उपेक्षा से पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं का क्षरण और हानि होती है।

वैशिक संदर्भ:

- दुनिया भर में भूमि क्षरण से होने वाला अनुमानित वार्षिक नुकसान \$6 ट्रिलियन है।
- COP14 और IPCC रिपोर्ट जैसे अंतर्राष्ट्रीय प्रयास भूमि क्षरण तटस्थता प्राप्त करने पर जोर देते हैं।
- कृषि के लिए भूमि और जल संसाधनों की गंभीर स्थिति पर एफएओ की रिपोर्ट में तात्कालिकता पर बल दिया गया है।

भारत में चुनौतियाँ:

- भारत को अपने सीमित भौगोलिक क्षेत्र के बावजूद महत्वपूर्ण भूमि प्रबंधन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।
- भारत की लगभग 30% भूमि निप्रीकृत हो गई है, जिससे कृषि और आजीविका प्रभावित हो रही है।
- जनसंख्या वृद्धि, शहरीकरण, बुनियादी ढांचे की मांग और पर्यावरणीय कारकों का दबाव भूमि प्रतिस्पर्धा और संघर्ष को बढ़ा देता है।
- वर्तमान क्षेत्रीय दृष्टिकोण, प्रशासनिक जटिलताएँ और नियामक बाधाएँ प्रभावी भूमि प्रबंधन में बाधा बनती हैं।

प्रस्तावित समाधान:

- हितधारकों को एकीकृत करने और भूमि प्रबंधन योजनाएं तैयार करने के लिए जिला और उप-जिला स्तर पर बहु-हितधारक मंच स्थापित करने चाहिए।
- व्यापक भूमि प्रबंधन योजना की सुविधा के लिए संविधान के अनुच्छेद 243ZD(1) के अनुसार जिला योजना समितियों को सक्रिय करना चाहिए।
- भूमि की क्षमता का आकलन करने, भूमि उपयोग आवंटित करने और सूचित निर्णय लेने के लिए एक परिदृश्य दृष्टिकोण की वकालत करना।
- जलवायु लक्ष्यों के साथ तालमेल बिठाने, कृषि उत्पादकता बढ़ाने और जैव विविधता के संरक्षण के लिए जलवायु-स्मार्ट परिदृश्य दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिए।

संस्थागत समर्थन:

- वैज्ञानिक साक्ष्य द्वारा समर्थित एकीकृत परिदृश्य प्रबंधन के महत्व को पहचानें।
- यूरोपीय लैंडस्केप कन्वेंशन और यूके की स्थायी भूमि प्रबंधन नीतियों जैसे अंतरराष्ट्रीय ढांचे से सबक लेना चाहिए।
- उभरती चुनौतियों का समाधान करने और सभी हितधारकों को शामिल करते हुए प्रभावी दीर्घकालिक नीतियां तैयार करने के लिए भारत में संसदीय चर्चाओं को प्रोत्साहित करना।

सारांश:

- विश्व स्तर पर भूमि प्रबंधन को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें भारत विशेष रूप से प्रभावित है। महत्वपूर्ण गिरावट के बावजूद, एक क्षेत्रीय दृष्टिकोण कायम है। संस्थागत समर्थन और संसदीय विचार-विमर्श द्वारा समर्थित एक बहु-हितधारक परिदृश्य दृष्टिकोण, स्थायी भूमि प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण है।

प्रीलिम्स तथ्य:

1. बिटकॉइन हॉलिंग क्या है और क्रिएटो समूह के लिए इसका क्या मतलब है?

प्रसंग:

- बिटकॉइन हॉलिंग इवेंट, ओलंपिक से जुड़ी प्रत्याशा के समान यह हर चार साल में क्रिएटरेंसी समूह या समुदाय (crypto community) को आकर्षित करता है।
- क्रिएटरेंसी समूह या समुदाय (crypto community)- यह एक विशेष समूह है जिसमें निवेशक, डेवलपर्स, कंपनियां और प्रभावशाली लोग शामिल होते हैं, जिनमें से प्रत्येक मंच पर अपने क्रिएटिविटी और पहल की वकालत करता है।
- डिजिटल करेंसी बिटकॉइन में 'हॉलिंग' नाम की एक घटना होता है। इस घटना के बाद बिटकॉइन के एक ब्लॉक को अनलॉक करने का पुरस्कार तय होता है। सामान्य तौर पर प्रत्येक हॉलिंग के बाद पुरस्कार राशि घटकर आधी रह जाती है।
- अप्रैल में निर्धारित, यह चतुष्कोणीय घटना बिटकॉइन खनिकों (miners) को दिए जाने वाले इनाम को 50% तक कम कर देती है, जिससे क्रिएटरेंसी परिदृश्य पर गहरा प्रभाव पड़ता है।

मुद्दा:

- अत्याधुनिक तकनीक से लैस खनिक जटिल गणितीय पहेलियों को सुलझाने के लिए प्रतिस्पद्ध करते हैं और 6.25 बिटकॉइन (Bitcoin (BTC)) के वर्तमान इनाम का दावा करते हैं।
- हालाँकि, इस पुरस्कार के मूल्य Bitcoin (BTC) का उत्तार-चढ़ाव बाजार की कीमतों के आधार पर होता है, जो बिक्री के समय और समग्र लाभप्रदता को प्रभावित करता है।
- पुरस्कारों में कमी के बावजूद, बिटकॉइन हॉलिंग (Bitcoin halving) से संपत्ति की कमी बढ़ जाती है, जिससे अक्सर सोने की तरह कीमतों में वृद्धि का रुझान होता है।
- वैश्विक खनन परिदृश्य कॉर्पोरेट और स्वतंत्र खनिकों को अधिकतम लाभ के लिए सस्ती बिजली वाले स्थानों की तलाश करते हुए देखता है।

- हालाँकि चीन का एक समय में क्रिष्टो खनन पर एकाधिकार था, लेकिन नियामक कार्रवाई ने खनिकों को स्थानांतरित करने के लिए प्रेरित किया, जिससे खनन कार्यों के भौगोलिक वितरण में विविधता आई।

महत्व:

- बाजार की प्रतिक्रिया की भविष्यवाणी करना अटकलबाजी बनी हुई है, जिसमें बिटकॉइन की यात्रा की अप्रत्याशित प्रकृति और निवेशकों को निवेश निर्णय लेने से पहले गहन शोध करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है।

2. गर्भकालीन आयु का पता लगाने के लिए भारत-विशेष AI मॉडल विकसित किया गया:**प्रसंग:**

- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-मद्रास और ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट, फरीदाबाद के शोधकर्ताओं ने गर्भावस्था के दूसरे और तीसरे तिमाही के दौरान भ्रूण की गर्भकालीन आयु को सटीक रूप से निर्धारित करने के लिए एक अभूतपूर्व कृत्रिम बुद्धिमत्ता मॉडल विकसित किया है।

सम्बन्धित जानकारी:

- गर्भिनी-जीए2 नामक यह मॉडल प्रसवपूर्व देखभाल में एक महत्वपूर्ण प्रगति है, खासकर भारतीय आबादी के लिए।
- पश्चिमी आबादी के लिए डिज़ाइन किए गए मौजूदा मॉडलों के विपरीत, गर्भिनी-जीए2 भारतीय संदर्भ के लिए विशेष भ्रूण वृद्धि में भिन्नता के लिए जिम्मेदार है, जिससे अनुमान त्रुटियों को लगभग तीन गुना कम किया जा सकता है।
- गर्भिनी-जीए2 का विकास डीबीटी इंडिया पहल (GARBH-Ini) कार्यक्रम का हिस्सा है, जो जन्म परिणामों पर उत्तर शोध पर केंद्रित है।

- यह नवोन्मेषी मॉडल स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों को सटीक गर्भकालीन आयु अनुमान प्रदान करके मातृ एवं शिशु देखभाल में क्रांतिकारी बदलाव लाने की क्षमता रखता है।
- उन्नत डेटा विज्ञान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीकों का लाभ उठाकर, शोधकर्ताओं का लक्ष्य पूरे भारत में प्रसवपूर्व देखभाल में सुधार करना और मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करना है।

महत्व:

- शोधकर्ताओं, चिकित्सकों और डेटा वैज्ञानिकों के बीच सहयोग स्वास्थ्य देखभाल नवाचार में अंतःविषय दृष्टिकोण के महत्व को रेखांकित करता है।

महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:**प्रश्न 1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. आईएसएस का निर्माण और विकास पांच अंतरिक्ष एजेंसियों, नासा (यूएसए), रोस्कोस्मोस (रूस), यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी, जेएक्सए (जापान) और कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी द्वारा किया गया था।
2. तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन दक्षिण कोरिया द्वारा निर्मित एक स्थायी रूप से चालक दल वाला अंतरिक्ष स्टेशन है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- (a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: a

व्याख्या:

- अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) का विकास और निर्माण पांच अंतरिक्ष एजेंसियों द्वारा किया गया हैं, जिनके नाम नासा (यूएसए), रोस्कोस्मोस (रूस), यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए), जेएक्सए (जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी), और कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी हैं।
- तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन चीन की अंतरिक्ष स्टेशन परियोजना है।

प्रश्न 2. बॉम्बेक्स मोरी (Bombyx mori) क्या है?

- (a) भारतीय बरगद के पेड़ की प्रजाति
- (b) भारतीय अमरुद की किस्म
- (c) पालतू रेशमकीट
- (d) एक कोशिकीय शैवाल

उत्तर: c

व्याख्या:

- बॉम्बेक्स मोरी पालतू रेशमकीट का वैज्ञानिक नाम है, जिसका उपयोग रेशम के उत्पादन में किया जाता है।

प्रश्न 3. निम्नलिखित में से किस समिति ने विभिन्न रेलवे अवसंरचना सेवाओं में निजी भागीदारी की अनुमति देने का सुझाव दिया?

- (a) एलएम सिंघवी समिति
- (b) सुंदर समिति
- (c) राधा कृष्ण आयोग
- (d) बिबेक देबराय समिति

उत्तर: d

व्याख्या:

- बिबेक देबराय समिति ने रेलवे सुधारों के लिए अपनी सिफारिशों के हिस्से के रूप में विभिन्न रेलवे

बुनियादी ठांचा सेवाओं में निजी भागीदारी की अनुमति देने का सुझाव दिया।

प्रश्न 4. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. खाड़ी सहयोग परिषद (GCC), छह मध्य पूर्वी देशों का एक राजनीतिक और आर्थिक गठबंधन है।
2. संयुक्त अरब अमीरात, कतर और इराक जीसीसी के सदस्य हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: a

व्याख्या:

- खाड़ी सहयोग परिषद (Gulf Cooperation Council (GCC)) छह मध्य पूर्वी देशों का एक राजनीतिक और आर्थिक गठबंधन है। इराक इसका सदस्य नहीं है।

प्रश्न 5. समाचारों में आने वाला शब्द 'डिजिटल एकल बाजार कार्यनीति' ('डिजिटल सिंगल मार्केट स्ट्रैटेजी') किसको संदर्भित करता है? PYQ(2017)

- (a) ASEAN को
- (b) BRICS को
- (c) EU को
- (d) G20 को

उत्तर: c

व्याख्या:

- 'डिजिटल सिंगल मार्केट स्ट्रैटेजी' शब्द यूरोपीय संघ (EU) की एक पहल को संदर्भित करता है जिसका उद्देश्य डिजिटल वस्तुओं, सेवाओं और पूँजी की मुक्त आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए यूरोपीय संघ के सदस्य राज्यों के भीतर एक डिजिटल सिंगल मार्केट बनाना है।

UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न 1. भारतीय सशस्त्र बलों ने लैंगिक समानता के लिए कई कदम उठाए हैं लेकिन समानता हासिल होने तक और भी कदम उठाने की आवश्यकता है? (10 अंक, 150 शब्द) [जीएस-2, सामाजिक न्याय]
(Indian armed forces have taken many steps for gender equality but needs to take many more till equality is achieved? (10 marks, 150 words) [GS-2, Social justices])

प्रश्न 2. क्रिप्टोकरेंसी क्या है? वैश्विक स्तर पर इसके क्या प्रभाव होंगे? (15 अंक, 250 शब्द) [जीएस-2, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी] (What is cryptocurrency? What are the impacts of it on the global level ? (15 marks, 250 words) [GS-2, Science and technology])

(नोट: मुख्य परीक्षा के अंग्रेजी भाषा के प्रश्नों पर किलक कर के आप अपने उत्तर BYJU'S की वेब साइट पर अपलोड कर सकते हैं।)